Tender Heart High School, Sector- 33-B, Chandigarh.

कक्षा - दसवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण

शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण नौं एवं दस

उपविषय - अनेकार्थी शब्द

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा दसवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौं एवं दस की पृष्ठ संख्या 266 पर दिए 'अनेकार्थी शब्दों' पर चर्चा करेंगे।

बच्चो ! आज का हमारा विषय 'अनेकार्थी शब्द' है। आप सभी अपनी- अपनी पुस्तक तथा उत्तर- पुस्तिका निकाल लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। कक्षा नौवीं में आपने एक से पैंतीस तक अनेकार्थी शब्द किए थे। इस सप्ताह हम आगे दिए अनेकार्थी शब्दों को दोहराएँगे। आशा करती हूँ कि अब आप इन्हें पढ़ने के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं।

हिन्दी भाषा में कुछ ऐसे शब्द भी होते हैं, जिन्हें एक से अधिक अर्थ में प्रयोग किया जा सकता है क्योंकि ऐसे शब्द एक से अधिक अर्थ का बोध कराते हैं। ऐसे शब्दों को 'अनेकार्थक शब्द' कहा जाता है। जैसे 'तीर' शब्द के दो अर्थ हैं, जो अलग- अलग संदर्भों में प्रयोग करने पर ही स्पष्ट होते हैं। उदाहरण:-

(क) उसने धनुष से तीर चलाया ।
(ख) नदी के तीर पर कुछ बगुले बैठे हैं।

उपर्युक्त उदाहरण में 'तीर' शब्द के दो-दो अर्थ हैं। पहली उदाहरण में 'तीर' का अर्थ 'बाण' है। दूसरी उदाहरण में 'तीर' का अर्थ 'किनारा' है। दोनों अर्थ अलग-अलग संदर्भों में प्रयोग करने पर ही स्पष्ट होते हैं। अनेकार्थक शब्द एक से अधिक अर्थ की व्यंजना करते हैं। ये शब्द भिन्न-भिन्न प्रसंगों एवं परिस्थितियों में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हिन्दी भाषा में ऐसे अनेक शब्द है।

अधिकतर देखा गया है कि विद्यार्थी को अनेकार्थक और पर्यायवाची एक-जैसे मालूम होते हैं। जैसे 'स्नेह' शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं - प्रेम, प्यार, प्रीति और अनुराग। इन चारों शब्दों का अर्थ केवल स्नेह ही है। इसी प्रकार 'स्नेह' के अनेकार्थक शब्द हैं - प्रेम, तेल, चिकनाहट। तीनों अर्थ भिन्न-भिन्न हैं। अनेकार्थक में शब्द एक है लेकिन उसके अर्थ अनेक होते हैं।

जो शब्द भिन्न-भिन्न संदर्भों के प्रयोग के अनुसार भिन्न-भिन्न अर्थ देते हैं, ऐसे शब्द ही 'अनेकार्थक शब्द' कहलाते हैं।

बच्चो! अब आपकी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 267 पर दिए अनेकार्थी शब्दों को पढ़ेंगे और समझेंगे। कक्षा दसवीं में आप 'नग' शब्द से आरंभ करेंगे।

36. नग - नगीना, पर्वत ।
37. नायक - नेता, मार्गदर्शक, सेनापति ।
38 पक्ष - तरफ़, पक्षियों के पर, सहायक, महीने का आधाभाग
39. पत्र - पत्ता, चिट्ठी, पृष्ठ, पंख ।

कक्षा - दसवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण ('अनेकार्थी शब्द')

40. पद - पैर, शब्द, छंद, पदवी, अधिकार, स्थान, भाग, गीत।
41. पतंग - सूर्य, उड़ाने वाली पतंग, पक्षी, शलभ।
42. प्रसाद - आशीर्वाद, कृपा, हर्ष।
43 पट - वस्त्र, किवाड़, कपास, पर्दा।
44 पूर्व - पहले, पिछला, पुराना, एक दिशा।
45 प्रकृति - कुदरत, स्वभाव, मूलावस्था।
46. फल - फल (खाने वाले), नतीजा, चाकू का फल।
47. बल - शक्ति, सेना, बलराम।
48. मत - नहीं, राय, संप्रदाय।
49. मार - पीट, कामदेव।
50. मुद्रा - मोहर, सिक्का, मुख का भाव।

बच्चो! अब आपसे कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्न सुनकर आप तीन मिनट के रुककर उन प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. जो शब्द भिन्न-भिन्न संदर्भों के प्रयोग के अनुसार भिन्न-भिन्न अर्थ देते हैं। ऐसे शब्द क्या कहलाते हैं?

प्रश्न 2. निम्नलिखित में कौन सा 'पूर्व' का अनेकार्थक शब्द नहीं है?
(क) पुराना (ख) पर्दा (ग) पहले (घ) एक दिशा।

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थक शब्द लिखो :-
(क) मत (ख) प्रकृति (ग) नायक।

बच्चो! आशा करती हूँ कि आपने उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। उन प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. जो शब्द भिन्न-भिन्न संदर्भों के प्रयोग के अनुसार भिन्न-भिन्न अर्थ देते हैं। ऐसे शब्द अनेकार्थक या अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं।

उत्तर 2. निम्नलिखित में से 'पूर्व' शब्द का अनेकार्थक नहीं है - पर्दा ।

उत्तर 3. निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी हैं :-

(क) मत - नहीं, राय, संप्रदाय ।

(ख) प्रकृति - कुदरत, स्वभाव, मूलावस्था ।

(ग) नायक - नेता, मार्गदर्शक, सेनापति ।

बच्चो ! अब आगे दिए गए अनेकार्थी शब्दों को भी पढ़ेंगे व समझेंगे ।

51. मूल - जड़, आधार, असल धन ।
52. योग - जोड़, व्यायाम, मेल, ध्यान ।
53. रस - जड़, निचोड़, खट्टा - मीठा, आनंद ।
54. राशि - धन, समूह, तुला - मेष आदि राशियाँ ।
55. रोगी - विकल, पीड़ित, व्याकुल, आतुर, उत्सुक ।
56. वर - वरदान, दूल्हा, श्रेष्ठ ।
57. वर्ण - रंग, अक्षर, ब्राह्मण आदि चार वर्ण ।
58. वार - आक्रमण, दिन ।
59. विधु - चंद्रमा, ब्रह्म वायु ।
60. विधि - रीति, ब्रह्मा, भाग्य, ईश्वर ।
61. विषम - कठिन, संकट, असमान ।
62. सोना - स्वर्ण शयन ।
63. स्नेह - प्रेम, तेल, चिकनाहट ।
64. सूत - धागा, सारथी ।
65. हर - शिव, हर लेना ।
66. हरि - सूर्य, विष्णु, इंद्र, सिंह, सर्प, बंदर, पर्वत ।
67. हार - हारना, फूलों की माला ।
68. हेम - सोना, बर्फ ।
69. हल - समाधान, उत्तर, खेत जोतने का यंत्र ।
70. क्षेत्र - स्थान, अधिकार, भू-क्षेत्र ।

कक्षा- दसवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी व्याकरण ('अनेकार्थी शब्द')

बच्चो! अब हमारे यह अनेकार्थी शब्द समाप्त हो चुके हैं। आशा करती हूँ कि आपने इन्हें ध्यान से सुना व समझा होगा। सभी छात्र आज करवाए गए इन शब्दों को लिख-लिख कर कंठस्थ करेंगे।

गृहकार्य

सभी छात्र अपनी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 267 एवं 268 पर दिए अनेकार्थी शब्द नग से क्षेत्र तक (35 से 70 तक) लिखेंगे एवं याद भी करेंगे। छात्र अपनी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 268 पर दिए अभ्यास का दूसरा प्रश्न 'रेखांकित शब्दों के भिन्न अर्थ लिखो' को भी पाठ की सहायता से स्वयं हल करने का प्रयास भी करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]